दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश में प्रसारित हरियाणा का हिन्दी दैनिक

सत्यजय टाईम्स

हिन्दी दैनिक

वर्ष-12, अंक-83 रविवार 26 मार्च, 2023, पृष्ठ 8, मूल्य 2 रुपये (फरीदाबाद से प्रकाशित) प्रातःकालीन संस्करण

RNI NO HARHIN/2012/43543 Ph. 0129- 4042533, Email: sjtfaridabad@gmail.com @SatyajayT satyajaytimes

योग से हुई सेवा योजना शिविर के तीसरे दिन की शुरूआत

बल्लभगढ़, 25 मार्च, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोड़ा। शनिवार को अग्रवाल कॉलेज में चल रहे सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर (फॉर बॉयज) के तीसरे दिन शिविर की शुरूआत योग से हुई। शिविर की थीम भारतीय युवाः चरित्र, व्यक्तित्व एवम स्वावलंबन है। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्ण कांत जी का मकसद योग से शिविर की शुरूआत करने का पीछे सभी स्वयंसेवकों को पूरे दिन सतर्क रखना है ताकि स्वयंसेवक सभी गतिविधियों में भाग ले सकें।

प्रातः काल के मुख्य वक्ता श्री एस.के. अग्रवाल ने वैश्विक तापन व पर्यावरण संबंधित अन्य संवेदनशील मुद्दों पर स्वयंसेवकों को जागरूक किया कि उन्होंने बताया कि किस तरह हम अपनी दैनिक दिनचर्या से अपने पर्यावरण की दुर्दशा करते जा रहे है और हमारे पृथ्वी के वायुमंडल का औसतन तापमान 4.5डिग्री सेल्सियस से 5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ चुका है। हमें जीवन तत्वों यानी जल,वायु व मृदा का संरक्षण करना जरूरी है क्योंकि अगर इन तत्वों में हानिकारक बदलाव हुआ तो हमारे जीवन अत्यंत भयावह हो जाएगा। इसके लिए हमें स्वयं को तो सजग होना ही पड़ेगा साथ ही अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करना पड़ेगा और अंत में उन्होंने सभी को पांच वृक्ष लगाने व उनका ध्यान रखने की शपथ भी दिलाई। डॉ. सुप्रिया ढांडा जींन कहा कि केवल वृक्ष लगाना और उनके साथ सेल्फी लेना ही वृक्षारोपण नहीं है बल्कि उन पेड़ों के पूर्ण होने तक उसका ध्यान रखना ही वृक्षारोपण है। आज ही के दिन पर्यावरण संरक्षण,जल संरक्षण व मृदा संरक्षण आदि विषयों पर रैली का आयोजन भी किया गया। सायंकाल सत्र के मुख्य वक्ता रणवीर सिंह गुलिया (भूतपूर्व प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक, राष्ट्रीय अवॉर्डी) ने बताया कि कैसे एक स्वयंसेवक राष्ट्रीय सेवा योजना को अपने जीवन को सफल बनाने में प्रयोग कर सकता है व राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकहोने के नाते समाज के प्रति उसकी क्या जिम्मेदारियां व कर्तव्य है और कैसे समाज कल्याण केलिएउनका निर्वहन करना चाहिए विषय पर अपना संबोधन दिया कमहर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक, केवर्तमान राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर प्रो. डॉ. राजकुमार ने भी स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए बताया कि अनुशासन व समयबद्धता ही सफलता की कुंजी है और जहां राष्ट्रीय सेवा योजना का नाम आता है अनुशासन अपने आप ही साथ जुड़ जाता है। गौरतलब है कि शिविर में 10 महाविद्यालयों के 133 स्वयंसेवक भाग ले रहे है। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्ण कांत जी ने शिविर के कुशल संचालन के लिए शिविर के समग्र प्रभारी डॉ. अशोक कुमार निराला, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शोभना गोयल, सुभाष कैलोरिया, लवकेश, मनमोहन सिंगला व शिविर से जुड़े सभी गैर शिक्षक वर्ग को बधाई दी।